फोकस ग्रुप ने रखा विरोध प्रदर्शन पर अपना पक्ष

मोहाली, 12 दिसम्बर (नियामिया): एग्रीकल्चर फोकस ग्रुप ने अत्याधुनिक कृषि के विकास एवं अनुसंधान पर प्रकाश डालते हुए मोहाली, चंडीगढ़ एवं पंजाब के अन्य क्षेत्रों में कुछ समूहो के द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन पर पक्ष रखा। गौरतलब है कि इस विरोध प्रदर्शन के तहत पंजाब के कुछ समूहो ने जी.एम. सरसों के अनुमोदन के खिलाफ आवाज उठाई थी जो जैनेटिक इंजीनियरिंग एप्रूवल कमेटी की समीक्षा के अधीन है। एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डा. शिवेन्द्र बजाज ने अपने विचार जताते हुए कहा कि एग्रीकल्चर फोकस ग्रुप जैव-प्रोद्यौगिकी कम्पनियों का एसोसिएशन है जो अत्याधुनिक कृषि के विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है तथा हाल ही में मोहाली, चंडीगढ़ एवं पंजाब के कुछ संगठनों द्वारा किए गए विरोध की निंदा करता है। यह विरोध वैज्ञानिक तथ्यों के खिलाफ हैं तथा आम जनता को कृषि जैव-प्रोद्यौगिकी के बारे में भ्रमित करते हैं। जी.एम. सरसें को 16 साल के अनुसंधान एवं परीक्षणों के बाद अनुमोदन दिया है। यह अनुसंधान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डा. दीपक पेंटल के नेतृत्व में किया गया। विरोध इंगित करता है कि वे नहीं चाहते कि इस अनुसंधान की वैज्ञानिक समीक्षा की जाए। हम केवल इतना कहना चाहते हैं कि समिति को अपना फैसला लेने दें। विनियामको की समीक्षा के बिना प्रोद्यौगिकी के खिलाफ आवाज उठाना उचित नहीं।